भारत सरकार
अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय
**लोक सभा**
**अतारांकित प्रश्न संख्या : 526**
उत्तर देने की तारीख : 22.07.2026

**राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग द्वारा आयोजित सेमिनार**

**526. श्रीमती स्मिता उदय वाघ:**

क्या **अल्पसंख्यक कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग ने 2026 के दौरान सेमिनार, सम्मेलन और आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किए हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या आयोग ने अल्पसंख्यकों के कल्याण और सामाजिक-आर्थिक विकास से संबंधित शोध अध्ययन शुरू किए हैं या पूरे किए हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके उद्देश्य क्या हैं;

(ग) क्या अल्पसंख्यक कल्याण कार्यक्रमों की नीति निर्माण और उनके कार्यान्वयन के लिए ऐसे अध्ययनों के निष्कर्षों और सिफारिशों पर विचार किया गया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने अल्पसंख्यक कल्याण योजनाओं के कार्यान्वयन को बेहतर बनाने के लिए राज्य अल्पसंख्यक आयोगों, विशेषकर महाराष्ट्र में, के साथ संस्थागत आउटरीच और समन्वय किया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार का जलगाँव लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र सहित विशेषकर महाराष्ट्र में अल्पसंख्यक कल्याण कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता, आउटरीच और अभिगम को सुदृढ़ करने का विचार है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**अल्पसंख्यक कार्य मंत्री**
**(श्री किरेन रीजीजू)**

(क): राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग (NCM) द्वारा आयोजित सेमिनारों और सम्मेलनों का विवरण अनुबंध में दिया गया है।

(ख) एवं (ग): राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग (NCM) ने वर्ष 2026 के दौरान "शिक्षा के क्षेत्र में जैन समुदाय का योगदान" विषय पर एक अध्ययन किया है। इस अध्ययन में भारत में जैन समुदाय के ऐतिहासिक विकास, संस्थागत योगदान और शैक्षिक दर्शन का वर्णन किया गया है। इसमें अधिगम, अनुसंधान, छात्रवृत्ति, मूल्य आधारित शिक्षा तथा

शिक्षा तक समावेशी पहुंच को बढ़ावा देने में जैन ट्रस्टों, समाज-सेवियों, शैक्षणिक संस्थानों और सामुदायिक संगठनों की भूमिका को दर्शाया गया है।

(घ) एवं (ङ): राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग (NCM) ने अपने परामर्शी एवं सुविधा प्रदाता अधिदेश का निर्वहन करते हुए 19 मई 2026 को नई दिल्ली में राज्य अल्पसंख्यक आयोगों का सम्मेलन आयोजित किया जिसमें महाराष्ट्र राज्य अल्पसंख्यक आयोग सहित राज्य अल्पसंख्यक आयोगों के प्रतिनिधियों तथा राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्रों के अधिकारियों ने भाग लिया। सम्मेलन में संस्थागत सुदृढ़ीकरण, प्रशासनिक समन्वय, शिकायत निवारण तंत्र तथा अल्पसंख्यक समुदायों तक पहुंच बढ़ाने और उनके लिए कल्याणकारी उपायों के बेहतर कार्यान्वयन के लिए सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों के आदान-प्रदान पर विचार-विमर्श किया गया।

आयोग ने वर्ष 2026 के दौरान अल्पसंख्यक समुदायों से संबंधित मुद्दों पर संवाद, अनुसंधान एवं जागरूकता को बढ़ावा देने तथा सरकारी कल्याणकारी पहलों के बारे में सूचना के व्यापक प्रसार को प्रोत्साहित करने के लिए बौद्ध, जैन और पारसी समुदायों से संबंधित राष्ट्रीय स्तर के कई सेमिनार भी आयोजित किए। इन कार्यक्रमों के दौरान अल्पसंख्यक समुदायों के कल्याण एवं समावेशी विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता के साथ-साथ विभिन्न कल्याणकारी पहलों और कार्यक्रमों को भी दर्शाया गया।

*****

**अनुबंध**

**"राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग द्वारा आयोजित सेमिनार" विषय पर श्रीमती स्मिता उदय वाघ द्वारा पूछे गए तथा दिनांक 22.07.2026 को उत्तर दिए जाने हेतु लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 526 के भाग (क) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध**

वर्ष 2026 के दौरान राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग द्वारा आयोजित सेमिनारों, सम्मेलन आउटरीच कार्यक्रमों का विवरण

1. **"आधुनिक भारत में बौद्ध धर्म: सांस्कृतिक एवं सामाजिक व्यवस्थाओं से मार्गदर्शन" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार (दिनांक 27.02.2026, नई दिल्ली)**

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग (NCM) ने दिनांक 27.02.2026 को नई दिल्ली में "आधुनिक भारत में बौद्ध धर्म: सांस्कृतिक एवं सामाजिक व्यवस्थाओं से मार्गदर्शन" विषय पर एक राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया। यह सेमिनार माननीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री तथा माननीय अल्पसंख्यक कार्य राज्य मंत्री की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस सेमिनार में विरासत संरक्षण, शिक्षा, युवाओं की भागीदारी तथा शांति एवं सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने में बौद्ध दर्शन की भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस सेमिनार में नीति-निर्माताओं, विद्वानों, आध्यात्मिक नेताओं और सामुदायिक प्रतिनिधियों ने एक मंच पर आकर भारत के सामाजिक-सांस्कृतिक परिदृश्य में बौद्ध धर्म की उभरती भूमिका पर विचार-विमर्श किया।

2. **"भारतीय अर्थव्यवस्था, शिक्षा और समाज-सेवा में जैन समुदाय का योगदान" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार (दिनांक 23.04.2026, इंदौर)**

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग (NCM) ने देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (DAVV), इंदौर के सहयोग से दिनांक 23.04.2026 को इंदौर में "भारतीय अर्थव्यवस्था, शिक्षा और समाज-सेवा में जैन समुदाय का योगदान" विषय पर एक राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया। इस सेमिनार का आयोजन माननीय अल्पसंख्यक कार्य राज्य मंत्री की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। इस सेमिनार में राष्ट्र-निर्माण में जैन समुदाय की महत्वपूर्ण भूमिका पर विचार-विमर्श करने के लिए विद्वानों, शिक्षाविदों, उद्योगपतियों, समाज-सेवियों, छात्रों तथा जैन समुदाय के सदस्यों ने भाग लिया।

3. **"आधुनिक भारत में पारसी: सांस्कृतिक एवं सामाजिक-आर्थिक व्यवस्थाओं से मार्गदर्शन" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार (दिनांक 09.05.2026, मुंबई)**

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग (NCM) ने दिनांक 09.05.2026 को मुंबई में "आधुनिक भारत में पारसी: सांस्कृतिक एवं सामाजिक-आर्थिक व्यवस्थाओं से मार्गदर्शन" विषय पर एक राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया। यह सेमिनार माननीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री तथा माननीय अल्पसंख्यक कार्य राज्य मंत्री की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस सेमिनार में पारसी विरासत के संरक्षण, सामाजिक-आर्थिक विकास, जनसांख्यिकीय चुनौतियों तथा राष्ट्र-निर्माण में समुदाय के अमूल्य योगदान पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस सेमिनार में मंत्रियों, नीति-निर्माताओं,

विद्वानों, उद्योगपतियों, शिक्षाविदों तथा पारसी समुदाय के सदस्यों ने एक मंच पर लाकर सांस्कृतिक संरक्षण, जनसांख्यिकीय चुनौतियों और सामाजिक-आर्थिक विकास से संबंधित मुद्दों पर विचार-विमर्श किया।

## 4. राज्य अल्पसंख्यक आयोगों का सम्मेलन (दिनांक 19.05.2026, नई दिल्ली)

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग ने 19 मई 2026 को नई दिल्ली में राज्य अल्पसंख्यक आयोगों का सम्मेलन आयोजित किया, जिसमें अल्पसंख्यक कल्याण, अल्पसंख्यक अधिकारों का संरक्षण तथा समावेशी विकास पर चर्चा की गई। यह सेमिनार माननीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री तथा माननीय अल्पसंख्यक कार्य राज्य मंत्री की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों, राज्य आयोगों के समक्ष आने वाली चुनौतियों तथा राष्ट्र-निर्माण में अल्पसंख्यक समुदायों की भूमिका पर विचार-विमर्श किया गया। इस सम्मेलन में देशभर में समन्वय और कल्याणकारी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के लिए राज्य अल्पसंख्यक आयोगों, राज्य सरकारों, संघ राज्य क्षेत्रों तथा अल्पसंख्यक समुदायों के प्रतिनिधियों ने अपने विचार व्यक्त किए।

*****